# ...तो 30 वर्षों में 20 फीसदी कम हो जाएगा पानी

## इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता वृद्धि पर गोष्ठी

बीकानेर @ पत्रिका

patrika.com

औद्योगिकरण, शहरीकरण और जीवन शैली परिवर्तन के कारण कृषि के लिए उपलब्ध जल में निरतंर कमी आ रही है और आगामी 30 वर्षों में उपलब्ध जल में 20 फीसदी तक की कमी आ जाएगी। एक तरफ पानी की उपलब्धता कम हो रही है और दूसरी तरफ रोजमर्रा के जीवन एवं कृषि उत्पादन के लिए पानी की मांग निरतंर बढ रही है। ऐसी स्थिति में पारंपरिक जल संग्रहण के तरीकें व तकनीकी को संरक्षित कर जल बचाव के प्रयास नहीं किए तो भविष्य में बहुत बड़ा जल संकट खड़ा हो जाएगा। ऐसा आईसीएआर-इकार्डा के जल वैज्ञानिकों का मत है। बुधवार को आईएबीएम कॉलेज सभागार में काजरी, प्रादेशिक अनुसंधान केंद्र एवं आईसीएआर-इकार्डा के संयुक्त तत्वावधान में 'इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में जल उपयोग दक्षता वृद्धि' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कृषि के लिए जल मांग व उपलब्धता, जल प्रबंधन की मुख्य चुनौतियों, जल उपयोग दक्षता बढाने के लिए फसल प्रबंधन तकनीकों, बागवानी फसलों तथा पशुपालन प्रबंधन तकनीकों, समन्वित कृषि उत्पादन प्रणाली सहित अन्य विषयों पर व्याख्यान दिए गए। कार्यशाला के अतिथि शुष्क बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ. एसके शर्मा, काजरी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके मिश्रा व डॉ. देवीदयाल, आईएबीएम निदेशक डॉ. राजेश शर्मा, काजरी अध्यक्ष डॉ. एनडी यादव, इकार्डा के जल वैज्ञानिक डॉ. विनय नांगिया आदि थे। कार्यशाला में आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विभाग के अनुसंधानकर्ता, अधिकारी, प्रसारकर्ता एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

बीकानेर में हुई जल संरक्षण गोष्ठी में शामिल प्रतिभागी।

### कृषि नवाचार के मॉडल विकसित

काजरी के कृषि वैज्ञानिक कृषि नवाचार के लिए इस प्रकार के मॉडल विकसित कर रहे है, जो विभिन्न सिंचाई तथा अन्य प्रबंधन क्रियाओं में अधिकतम उपज एवं जल उत्पादकता बढा सकते है। कृषि वैज्ञानिक वीएस राठौड़ व डॉ. एनडी यादव ने बताया कि मॉडल को विकसित करने के लिए जलवायु, मृदा, प्रबंधन तकनीकि और फसल गुण के आंकड़े डालकर मॉडल को डवलअप किया जाता है। उधर धरातलीय स्तर पर इन चारों आंकड़ों को समावेशित कर फसल बोई जाती है और बाद में उसके उत्पादन परिणामों को मॉडल से मेच किया जाता है। इस तरह दो-तीन साल तक परिणाम देखने के बाद मॉडल विकसित होता है। इसका फायदा यह मिलता है कि जब किसान अपनी जमीन, पानी, जलवायु व प्रबंधन तकनीकि के हिसाब से उनसे फसल उत्पादन के बारे में जानकारी मांगता है तो उसे मॉडल के हिसाब से कौनसी फसल, कब, कितने पानी और प्रबंधन तकनीकों के साथ बोनी चाहिए कि उसको उसका उत्पादन ज्यादा मिल सकें, इसकी जानकारी दी जा सकती है।

### अधिकारियों को कार्य आवंटन करने की मांग

**बीकानेर @ पत्रिका.** शिक्षा विभागीय कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि मण्डल बुधवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशक बी एल स्वर्णकार से मिला तथा उन्हे पदोन्नति संस्थापन अधिकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों को कार्य आवंटन करने तथा मंत्रालयिक संवर्ग के पदो की वरिष्ठता सूची, पात्रता सूची व पदोन्नति पदस्थापन आदेश विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने की मांग की । संघ के प्रदेशाध्यक्ष निर्मल व्यास के नेतृत्व मे मिले प्रतिनिधि मण्डल सदस्य शामिल थे।

पत्रिका Thu, 03 March 2016
epaper.patrika.com/c/8931927